# 1. हमारी भाषा

अपनी बात को बोलकर या लिखकर प्रकट करना 'भाषा' कहलाता है। सरल शब्दों में, किसी बात को कहना, लिखना, सुनना और समझना **भाषा** ही है।

- ❖ शिक्षक/शिक्षिका बच्चों को चित्र दिखाकर भाषा के विभिन्न रूपों को समझाएँ।
- ❖ उन्हें बताएँ कि संकेत द्वारा भी भाषा को समझा या समझाया जा सकता है।
- ❖ भाषा में प्रयुक्त शब्दों का शुद्ध उच्चारण करके बताएँ तथा तदुपरांत बच्चों से भी करवाएँ।
- ❖ भाई-बहन के संवादों को हाव-भाव के साथ बोलने को कहें।
- ❖ कक्षा में बच्चों से छोटे-छोटे संवाद बुलवाएँ।
- ❖ पाठ पढ़ाते समय बच्चों को अपने आस-पास के उदाहरण देकर भाषा से अवगत कराएँ।
- ❖ बच्चों को हमारी राजभाषा हिंदी के बारे में बताएँ।
- ❖ पाठ में दी गई कविता को छात्र-समूह में लय के साथ गायन के लिए कहें।
- ❖ पाठ का अभ्यास करवाएँ।
- ❖ भाषा के विभिन्न रूपों से संबंधित चित्र एकत्रित करके अभ्यास प्रश्न पर चिपकाने को कहें।
- ❖ बच्चों को देश की विभिन्न भाषाओं के नामों से अवगत कराएँ।